कोटा में स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज भारत पूरी दुनिया के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक बन गया है। आज हम स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर इस संकल्प के साथ खड़े हैं कि स्वामी विवेकानन्द जी ने जो सपने देखे थे कि भारत आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, वैयक्तिक विकास और दुनिया का नेतृत्व करेगा तो वह सपना आज पूरा होने जा रहा है। उन्होंने उस समय विचार दिया था कि भारत का नौजवान, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान है, संस्कृति है, आत्मविश्वास है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का जुनून है, वह भारत का नौजवान आने वाले समय में दुनिया का नेतृत्व करेगा। आज हम यह सपना देख रहे हैं। हमारे प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने देश के नौजवानों को आह्वान किया है कि स्वामी विवेकानंद जी के विचारों पर चलिए। उन्होंने कहा है कि आत्मविश्वास से अपने संकल्प और सपनों को पूरा करने के लिए बड़े सपने भी देखो और उन सपनों को पूरा करने के लिए संकल्प और प्रतिबद्धता से काम भी करो।

आज हम लोग देख रहे हैं कि दुनिया में भारत का नौजवान आत्मविश्वास से भरा है। भारत का नौजवान आध्यात्मिक और संस्कृति के अग्रदूत के रूप में काम कर रहा है। भारत का नौजवान नये इनोवेशन, नये रिसर्च, नये विचार और चिंतन के साथ काम कर रहा है। स्वामी विवेकानन्द जी ने उस समय कहा था- 'उठो, जागो और अपने लक्ष्यों को पूरा करने तक रूको मत' । आज मैं नौजवानों में देख रहा हूं कि वह जागृत भी है और जीवंत रूप से काम भी कर रहा है। उसमें आत्मविश्वास भी है और चिंतन भी है। उसमें विचार भी है और नई सोच भी है।

अगर भारत को विकसित भारत बनाना है, जैसा माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है तो विकसित भारत बनाने के सपनों को पूरा करेगा हमारा आकांक्षी युवा। यह सपना हम पूरा होते देख रहे हैं। हमारा आकांक्षी युवा, जिसमें अद्भुत रूप से आत्मविश्वास है, आज बदलती परिस्थिति में नया चिंतन और नई सोच के साथ काम कर रहा है। आज भारत का नौजवान दुनिया के उन विकसित देशों के अंदर चाहे वह टेक्नोलॉजी के रूप में हो, हुनर के रूप में हो, डॉक्टर के रूप में हो या वहां के आर्थिक प्रबंधक के रूप में हो।

अगर उन सारी जगह कोई नेतृत्व कर रहा है, तो वह भारत का नौजवान कर रहा है। आज महिलाएं बराबर की भागीदार हैं। सामाजिक हो, विज्ञान हो, तकनीक हो, राजनीतिक क्षेत्र हो, हर एक क्षेत्र में हमारी महिलाएं आकांक्षी हैं और नई सोच, नए चिंतन के साथ देश को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं। आज भारत के राष्ट्रपति के रूप में एक महिला नेतृत्व कर रही है।

अंतरिक्ष में भी महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान हो, टेक्नोलॉजी हो, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं हमारा नेतृत्व न कर रही हों। अगर पूरी दुनिया में फाइटर प्लेन उड़ाने वाली महिलाएं हैं, तो वह भारत में हैं। अगर सीमाओं की रक्षा करने का काम कर रही हैं, तो भारत की महिलाएं वह काम कर रही हैं। अगर खेत-खलिहान में अन्न उत्पादन का काम कर रही हैं, तो भारत की महिलाएं वह काम कर रही हैं। अगर भारत को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही हैं, तो भारत की महिलाएं वह काम कर रही हैं।

आज भारत का हर गांव-ढाणी आत्मनिर्भर बने। महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन के लिए नए चिंतन और उत्साह के साथ काम करके, उनके हाथ के हुनर को आजमाएं।

हम अपने उत्पादकों को देख रहे हैं, नए प्रोडक्ट्स को देख रहे हैं, भारत की महिलाओं में यह हुनर आदिकाल से था और वर्तमान में यह और भी आगे बढ़ रहा है। इसीलिए हम सबको स्वामी विवेकानंद जी के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। भारत एक आध्यात्मिक धरती है, धर्म की धरती है, जिसने आध्यात्मिक धर्म और संस्कृति का संदेश पूरी दुनिया को दिया है। हमारे महापुरुषों ने राष्ट्र के प्रति त्याग, समर्पण और सेवा की है। उनकी जयंती पर यह हम सबको नई प्रेरणा, नया उत्साह और नई दिशा देता है। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर हम उनके विचारों को लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने उस समय जो विचार व्यक्त किया था, आज हमें वह सपना पूरा होते हुए दिख रहा है।

इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम आत्मविश्वास के साथ इस राष्ट्र के नवनिर्माण में, इस देश को आगे बढ़ाने में, इस देश को विकसित बनाने में स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को साथ लेकर चलें। पूरी दुनिया के हर एक क्षेत्र में भारत का नौजवान नेतृत्व करे। वह नए इनोवेशन और नए चिंतन के साथ नेतृत्व करे। यह भारत की सामर्थ्य शक्ति है। यह भारत का नौजवान ही है, जो दुनिया की तस्वीर और तकदीर को परिवर्तित कर सकता है।

जब मैं नौजवानों के बीच जाता हूं, तो इस ऊर्जा को देखता हूं, उनके सपनों को देखता हूं, उनके आत्मविश्वास को देखता हूं। आज देश का नौजवान स्वामी विवेकानंद जी के विचारों पर चलते हुए, हमारे संकल्प, हमारे लक्ष्य और हमारे सपनों को पूरा करेगा और उसके जीवन में हमेशा स्वामी विवेकानंद जी के विचार रहेंगे। व्यक्ति सशरीर यहां रहे या न रहे, उनके विचार हम सबको प्रेरणा देते हैं, नई दिशा देते हैं, नई ऊर्जा देते हैं, नया चिंतन देते हैं और नई सोच देते हैं।

आज लव शर्मा जी ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर यहां रक्तदान शिविर आयोजित किया है। रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं हो सकता है। ये रक्तदान करने वाले नौजवान, जिनकी उम्र 20, 21 और 22 साल है, वे रक्त देकर उन व्यक्तियों के जीवन को बचा रहे हैं, जो मौत और जिंदगी के बीच लड़ रहे होते हैं। मुझे याद है कि कई बार रक्त के अभाव में व्यक्ति के जीवन में कितनी परेशानी होती है। कई बार गरीब व्यक्ति को जानकारी के अभाव में रक्त प्राप्त करने में बहुत दिक्कत होती है। आपका यह खून उसको नई जिंदगी देगा। आपका खून, जिसको आप जानते नहीं हैं, आप जिसको पहचानते नहीं हैं, उसकी जिंदगी को बचाने का काम करेगा। इससे बड़ा पुण्य का काम नहीं हो सकता है।

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर आपने रक्तदान करके जो पुण्य का काम किया है, उसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं। आपका यह रक्त लोगों की जिंदगियों को बचाने का काम करेगा एवं उनकी जिंदगी को बेहतर करेगा। मैं सभी नौजवानों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं।